केन्द्र संख्या एवं मुहर
के0सं0–1125

केन्द्र व्यवस्थापक के हस्ताक्षर

नोट–केन्द्र के नाम की मुहर उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग पर न लगाएं।

नोट–परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग में अपना नाम व केन्द्र का नाम न लिखें।

'ब' उत्तरपुस्तिका की संख्या–

$ब_1$	$ब_2$	$ब_3$	$ब_4$

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक–

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायेगा–

अनुक्रमांक (अंकों में)–

अनुक्रमांक (शब्दों में)–

विषय– राजनीति विज्ञान

प्रश्नपत्र संकेतांक– 421(IML)

परीक्षा का दिन– मंगलवार

परीक्षा तिथि– 05/03/24

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय–

केन्द्र संख्या–

परीक्षा कक्ष संख्या– 04

उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक कर ली गयी है।

कक्ष निरीक्षक का नाम– इन्द्र

दिनांक– 05.03.24

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक–

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन समुचित प्रश्न–पत्र संकेतांक तथा मूल्यांकन निर्देशों के अनुसार किया है। प्राप्तांकों का मुखपृष्ठ पर अग्रसारण कर प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का मिलान कर लिया गया है। एवार्ड ब्लैंक में प्राप्तांकों की अंकना कर उनका पुनः मिलान भी कर लिया है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/रहूँगी।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.....

1. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.....

2. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.....

सन्निरीक्षा प्रयोगार्थ

सन्निरीक्षा पूर्व अंक–

सन्निरीक्षा पश्चात् अंक–

त्रुटि का प्रकार–

दिनांक–

हस्ताक्षर निरीक्षक–

परीक्षक, निम्न तालिका में प्रत्येक प्रश्न तथा उसके खण्डों के प्राप्तांकों का विवरण यथास्थान भरें।

प्रश्न संख्या	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	योग
01											
02											
03											
04											
05											
06											
07											
08											
09											
10											
11											
12											
13											
14											
15											
16											
17											
18											
19											
20											
21											
22											
23											
24											
25											
26											
27											
28											
29											
30											
31											
32											
33											
34											
35											

योग (शब्दों में)–.....योग (अंकों में)

दिन एवं तिथि इत्यादि विवरण सही–सही लिखें। यह कार्य प्रतिदिन परीक्षा के समय सम्पन्न करना चाहिए।

(2) आवरण पृष्ठ अथवा उत्तरपुस्तिका के भीतर किसी भी स्थान पर अपना नाम, केन्द्र का नाम किसी भी स्थिति में न लिखें।

(3) आवरण पृष्ठ की प्रविष्टियाँ भरने के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को निर्धारित समय से पूर्व अपनी उत्तरपुस्तिका में कुछ भी नहीं लिखना चाहिए।

(4) उत्तरपुस्तिका के प्रत्येक पन्ने के दोनों ओर तथा लाईन पर लिखें। बीच–बीच में पृष्ठ खाली छोड़कर पृष्ठ नष्ट न करें।

(5) आवश्यक रफ कार्य उत्तरपुस्तिका के केवल बाँयें पृष्ठ पर ही करें, बाद में रफ कार्य को पेन से काट दें।

(6) उत्तरपुस्तिका से कोई भी पन्ना नहीं फाड़ना चाहिए।

(7) पहली उत्तरपुस्तिका में लेखन कार्य पूर्ण होने के पश्चात् ही दूसरी उत्तरपुस्तिका दी जायेगी।

(8) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या तथा खण्ड संख्या स्पष्ट रूप से अंकित करें।

(9) यदि आपने परीक्षा के दौरान ग्राफ पेपर, नक्शा या 'ब' उत्तरपुस्तिका ली हो तो उसे मुख्य उत्तरपुस्तिका (अ) के साथ अच्छी प्रकार से नत्थी कर दें।

(10) केन्द्रव्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षकों एवं सचल दल को परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों की तलाशी लेने का अधिकार है।

(11) परीक्षार्थियों को चाहिए कि प्रतिदिन परीक्षा भवन में प्रश्न–पत्र वितरण के पूर्व ही वह अपने डेस्क की तथा अपनी तलाशी ले लें। जो परीक्षार्थी नकल अथवा बात करते पकड़े जायेंगे या परीक्षा भवन में कागज अथवा पुस्तक अपने साथ लायेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी तथा परिषद् के निर्णयानुसार उनको दण्ड दिया जायेगा।

(12) यदि कोई परीक्षार्थी प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने के लिए परीक्षक के ऊपर किसी प्रकार का कोई भी दबाव डालने का प्रयत्न करेगा, तो उसके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जायेगी तथा परिषद् के नियमानुसार उसको दण्ड दिया जायेगा।

(13) परीक्षार्थियों को केवल नीली एवं काली स्याही का प्रयोग करने की अनुमति है। लाल एवं हरी स्याही का प्रयोग वर्जित है।

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 16 उ0वि0शि0प0/35–14–06–2023–7,01,000 उत्तर पुस्तिकाएं (कम्प्यूटर/ऑफसेट)।

(क) उत्तर

सोवियत संघ मे विघटन से पहले 15 गणराज्य थे
विकल्प (ii) 15 सही है।

(ख) उत्तर

यूरोपीय संघ के झण्डे मे 12 सितारे है।
विकल्प (iv) 12 सही है।

(ग) उत्तर

सिंधु जल संधि पर वर्ष 1960 मे हस्ताक्षर किये गये।
विकल्प (iii) 1960 सही है।

(घ) उत्तर

भारत द्वारा 1974 मे पहला परमाणु परीक्षण किया गया।
विकल्प (i) 1974 सही है

(ङ) उत्तर

भारत मे आर्थिक सुधारो की योजना 1991 मे शुरू हुई।
विकल्प (iii) 1991 सही है

P.T.O.

राज्य पुनर्गठन अधिनियम के द्वारा 1956 में 14 राज्यों का गठन किया गया था।
विकल्प (i) 14 सही है।

(घ) उत्तर

पंचशील घोषणा (1954) के समय चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई थे।
विकल्प (iii) चाऊ एन लाई सही है।

(ज) उत्तर

1977 में देश की प्रथम गैर कांग्रेसी सरकार के प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई थे।
विकल्प (iv) मोरारजी देसाई सही है।

(झ) उत्तर

विकल्प (iii) A सही है परन्तु R गलत है।
यह विकल्प सही है।

(ञ) उत्तर

विकल्प (i) A तथा R दोनो सही है तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
यह विकल्प सही है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के मूल संस्थापक सदस्यो की संख्या 51 थी।

प्रश्न सं० (03) का उत्तर

ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरिया मे 1992 मे पृथ्वी सम्मेलन हुआ था।

प्रश्न सं० (04) का उत्तर

वर्ल्ड सोशल फोरम एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जो संयुक्त राष्ट्र संघ की संगठन इकाई के रूप मे काम करती है।

प्रश्न सं० (05) का उत्तर

भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे।

प्रश्न सं० (06) का उत्तर

भारत मे प्रिवीपर्स की समाप्ति 1971 के चुनाव के बाद हुई थी।

प्रश्न सं० (07) का उत्तर

बाबरी मस्जिद को 1992 मे विध्वंस किया था।

P.T.O.

आसियान विजन 2020 की मुख्य बातें

विजन की मुख्य बातें निम्न है —

(1) → विजन दस्तावेज 2020 मे आसियान की अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के रूप मे बहुमुखी भूमिका है।

(2) → टकराव के स्थान पर बातचीत को बढ़ावा दिया जाएगा।

(3) → इसके अन्तर्गत आसियान आर्थिक समुदाय, आसियान सुरक्षा समुदाय, आशियान सांस्कृतिक व सामाजिक समुदाय की स्थापना की जाएगी।

(4) → इसके अन्तर्गत वैश्वीकरण, आर्थिक स्वतंत्रता व उदारीकरण को बढ़ावा दिया

प्रश्न सं० (09) का उत्तर

भारत का पक्ष क्योटो प्रोटोकॉल पर

(1) → ~~क्योम~~ क्योटो प्रोटोकॉल वैश्विक तापवृद्धि पर आधारित था जिसकी विश्व मे वृद्धि हो रही थी।

(2) → विकसित देश के आर्थिक विकास के कारण वैश्विक तापवृद्धि बढ़ रही थी।

(3) → भारत चाह रहा था कि विकासशील देशो ने औद्योगिक विकास नही किया है इसलिए उनको क्योटो प्रोटोकॉल मे छूट दी जाए

(4) → इसलिए भारत ने 2002 मे क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किया।

(1) → वैश्वीकरण :→ एक देश की अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ समन्वय वैश्वीकरण कहलाता है।

(2) → भारत मे वैश्वीकरण :→ भारत मे सन् 1991 मे वैश्वीकरण की नीति अपनाई गई थी।

(3) → लाभ :→ (1) वैश्वीकरण से आर्थिक प्रवाह बढ़ रहा है।

(2) → एक देश के विचारो का आदान प्रदान हो रहा है।

(3) → इससे एक देश की संस्कृति का दूसरे पर प्रभाव हो रहा है।

प्रश्न सं० (11) का उत्तर

* बॉम्बे प्लान :→ 1944 मे बम्बई के बड़े उद्योगपतियो ने विकास की एक रणनीति बनाई जिसमे वह देशी उद्योगो को विदेशो से जोड़ना चाहती थी। और उनकी मुख्य मांगे थी।

(i) → अर्थव्यवस्था का उदारीकरण हो।

(ii) → मुक्त अर्थव्यवस्था कर दी जाए।

(iii) → अर्थव्यवस्था मे सरकार का हस्तक्षेप नही होना चाहिए।

P.T.O.

मानव अधिकारो के क्षेत्र मे सक्रिय दो अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है —

① → एमनेस्टी इंटरनेशनल :→ यह एक स्वंयसेवी संस्था है जो मानव अधिकारो के प्रति जागुरूकता उत्पन्न करती है मानवाधिकारो के प्रति जागरूक व मानवाधिकारो की रक्षा करती है। इसका कार्यालय लन्दन मे है।

② ह्यूमन राइट्स वॉच :→ यह भी एक स्वंयसेवी संस्था ही है जो मानवाधिकारो के लिए लोगो को जागरूक करती है व रक्षा करती है उसका कार्यालय न्यूयॉर्क मे है।

भारत चीन सम्बन्ध

प्रारम्भ मे भारत जब आजाद हुआ तो दोनो देश मे सम्बन्ध अच्छे थे निम्न तथ्यो से आगे के सम्बन्धो को जान सकते है।

① → पंचशील सिद्दान्त :→ भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने 29 अप्रैल 1954 मे पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर किया था जिसके प्रावधान थे।

(i) → आन्तरिक मामले मे अहस्तक्षेप
(ii) → अनाक्रमण
(iii) → क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान
(iv) → ~~पारस्प~~ पारस्परिक शान्ति की स्थापना
(v) → पारस्परिक सौहार्द का वातावरण

② → भारत चीन युद्द (1962) :→ जब चीन ने तिब्बत पर आक्रमण किया तो दलाईलामा ने भारत से मदद मांगी चीन को लगा भारत आन्तरिक मामले मे अहस्तक्षेप कर रहा है। चीन ने भारत के नेफा क्षेत्र मे सड़क बनाकर कब्जा प्रारंभ कर दिया फिर भारत का चीन के साथ युद्द हुआ और चीन ने पीछे हटकर युद्द विराम समझौता किया।

③ → वर्तमान :→ वर्तमान मे भारत व चीन के सम्बन्ध पंचशील पर आधारित नही है लेकिन कटुता पूर्ण भी नही है

P.T.O.

भारत की स्थायी सदस्यता के पक्ष में तर्क

① → सबसे बड़ा लोकतंत्र :→ भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र देश है इसलिए उसको स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए।

② → U.N.O. का संस्थापक सदस्य :→ 1945 में जब संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई थी तब से ही भारत UNO का संस्थापक सदस्य है।

③ → निशस्त्रीकरण का समर्थन :→ हालांकि भारत ने दो बार परमाणु परीक्षण किया व परमाणु सम्पन्न देश भी बना लेकिन वह हमेशा पहले प्रयोग नहीं की नीति अपनाता है और निशस्त्रीकरण पर बल देता है।

④ → U.N.O. के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायता :→ भारत ने U.N.O. के सभी उद्देश्यों को पूरा करने में भूमिका निभाई है। जैसे रंगभेद की नीति का विरोध, आतंकवाद का विरोध, शान्ति स्थापना, उपनिवेशवाद का विरोध आदि।

⑤ → निष्कर्ष :→ इसलिए भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए।

प्रथम आम चुनाव मे मतदान का तरीका

① → प्रथम आम चुनाव 1952 मे मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन की अध्यक्षता मे हुए थे।

② → उसमे प्रत्येक चुनाव क्षेत्र मे प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अलग २ चुनाव पेटी की व्यवस्था की गई थी।

③ → क्योकि उस समय 17 करोड जनसंख्या से 15% ही साक्षर थी इसलिए एक ही चुनाव पेटी की व्यवस्था हुई थी।

④ → पर्ची पर उम्मीदवार के नाम हिन्दी, उर्दू पंजाबी, बंगाली, अंग्रेजी बहुत भाषा मे लिखा था। और उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह भी बडे २ छपे जाते थे।

मतदान के बदलते तरीके

तीसरे आम चुनावो से प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अलग चुनाव पेटी की व्यवस्था हुई व पर्ची पर सभी उम्मीदवार के नाम व चुनाव चिन्ह होते थे जिनके आगे मतदाताओ को हस्त मोहर लगा कर चुनाव पेटी मे डालना होता था।

इलैक्ट्रॉनिक वॉटिंग मशीन का प्रयोग

1990 के बाद से इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की सहायता से उम्मीदवार के आगे का बटन दबाकर मतदाता वोट देने लगे थे 2004 मे पूरा निर्वाचन इससे ही हुआ था

P.T.O.

(1) → आपातकाल :→ संविधान के अनुच्छेद 352, 356 व 360 मे आपातकाल की व्याख्या की गई है मे भारत मे 24 जून 1975 को अनुच्छेद 352 (आन्तरिक गड़बड़ी) के द्वारा राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली ने आपातकाल लगाया था।

(2) → आपातकाल के कारण :→ निम्न थे —

(i) → भारत पाक का 1971 मे युद्ध
(ii) → गुजरात मे जन विरोधी आन्दोलन
(iii) → बिहार मे जे.पी. नारायण द्वारा आन्दोलन
(iv) → न्यायधीश जगमोहन लाल सिन्हा का इन्दिरा गाँधी के चुनाव को अवैधानिक करार देना)

(3) → जनसंचार माध्यमो पर प्रभाव :→

(i) → जनसंचार माध्यमो को पूरी तरह रोक दिया गया आपातकाल मे।
(ii) → लोगो को सभा करने व संगठन बनाने का अधिकार छीन लिया गया।
(iii) → भाषण द्वारा विचार प्रकट करने का भी अधिकार छीन लिया गया
(iv) → लोग अपनी बात को दूसरो तक नही पहुंचा पा रहे थे।
(v) → लोगो के मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए
(vi) → बन्दी प्रत्यक्षीकरण को बन्द कर दिया
(vii) → निवारक नजरबन्दी लागू कर दी गई
(viii) → लोगो की जबरदस्ती नसबन्दी की गई।

① → सिंडिकेट :→ कांग्रेस के बड़े नेताओं का समूह जो अनुभवी था वह सिंडिकेट कहलाता था जैसे के कामराज (मिड डे मील प्रारम्भ किया) निजलिंगप्पा अतुल्य घोष आदि।

② → सिंडिकेट का महत्व :→ सिंडिकेट में सभी लोगों का बहुत महत्व था कांग्रेस के लिए जैसे-

(i) → सिंडिकेट की सहायता से नेहरू जी प्रधानमंत्री बने थे।

(ii) → सिंडिकेट की सहायता से लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने।

(iii) → फिर इन्दिरा गाँधी भी प्रधानमंत्री बनी

(iv) → सिंडिकेट ने मन्त्रिपरिषद के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(v) → आजादी के बाद नीतियां बनाने में भूमिका

③ → सिंडिकेट व इन्दिरा में तनाव :→ जब इन्दिरा गाँधी प्रधानमंत्री बन गई तो वह कांग्रेस के बाहर के लोगों से सलाह लेने लगी। फिर राष्ट्रपति की मृत्यु के बाद इन्दिरा वी वी गिरी तथा सिंडिकेट संजीव रेड्डी को अगले राष्ट्रपति बनाना चाहती थी लेकिन वी वी गिरी जीत गई फिर सिंडिकेट नाराज हो गई

④ → कांग्रेस का विभाजन :→ 1969 में कांग्रेस बट गई दो भागों में

P.T.O.

कांग्रेस R (नई) कांग्रेस O (पुरानी)

① → मण्डल आयोग की पृष्ठभूमि :→ अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग अपने लिए 1970 के दशक में आरक्षण की मांग करने लगे, जिसके बाद सद सरकार ने मण्डल आयोग का गठन किया

② → मण्डल आयोग :→ मण्डल आयोग का गठन 1979 में किया गया था आजादी के बाद आरक्षण के लिए दूसरी बार ऐसा हुआ था इसलिए इसको दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग भी कहा गया था। इसके अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद थे।

③ → मण्डल आयोग की जाँच :→ मण्डल आयोग ने पूरी तरह जाँच किया तो पाया की सामाजू में अन्य पिछड़ा वर्ग की संख्या कम है यह लोग आर्थिक रूप से पिछड़े हुए है सरकारी नौकरियों में इनकी संख्या काफी कम है

④ → आयोग की सिफारिशे :→ मण्डल आयोग ने सरकार से यह सिफारिश की अन्य पिछड़ा वर्ग को भारत में सरकारी नौकरियों में 27% आरक्षण दिया जाएगा। और उनको अन्य जगह भी आरक्षण दिया जाएगा। क्योंकि यह भी नीची जाति की तरह अल्पसंख्यक है।

भारत मे साम्प्रदायिकता के कारण

① → भारत मे साम्प्रदायिकता के कारण निम्न लिखित है।

(i) → किसी राज्य का कम विकास होना।
(ii) → किसी एक धर्म को विशेष अधिकार देना।
(iii) → किसी धर्म के ऊपर अन्य धर्मो को थोपना।
(iv) → किसी संस्कृति के ऊपर अन्य संस्कृतियो को थोपना।
(v) → समान विकास न करना।

② → परिणाम :→ इसका परिणाम यह होता है कि अलग २ क्षेत्र से अलग २ मांग होने लगती है।

(i) → क्षेत्रीय अस्वायत्ता की मांग
(ii) → अलगाव वाद की मांग
(iii) → बाहरी लोगो के विरुद्ध आन्दोलन

③ → सरकार द्वारा उठाए गए कदम :→ संसकार द्वारा बातचीत व समझौते करके साम्प्रदायिकता को रोका जाता है जैसे —

(i) → राजीव गाँधी व हरचन्द्र सिंह लोगोवाला का 1985 मे समझौता हुआ।
(ii) → 1986 मे राजीव गांधी व लालडेगा का समझौता

P.T.O.

* सोवियत संघ के विघटन के कारण

① → गोर्बाचेव की खुलेपन की नीति :→ 1985 में जब गोर्बाचेव सोवियत संघ के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने दो आर्थिक सुधार किए

(i) → पेरेस्त्रोइका → पुनर्निर्माण।
(ii) → ग्लासनोस्त → खुलापन।

② → सैन्य शक्तियो मे कमी :→ गोर्बाचेव ने अमेरिका के साथ सैन्य शक्तियो को कम करने के लिए अनेक हस्ताक्षर किए जिसकी वजह से उन्हे शान्ति का मूसीहा कहा जाने लगा और उन्हे शान्ति हेतू नोबल पुरस्कार दिया गया।

③ → परमाणु अस्त्रो के निर्माण मे धन का अपव्यय :→ परमाणु अस्त्रो के निर्माण मे सोवियत संघ व अमेरिका द्वारा बहुत ज्यादा धन का खर्च किया गया जिसका प्रभाव अमेरिका पर न पड़ा लेकिन सोवियत संघ के पास पैसे की कमी होने लगी।

④ → नेतृत्व शून्यता का होना :→ गोर्बाचेव से पहले जितने राष्ट्रपति आए उन्होने सोवियत संघ का अच्छे से संचालन किया लेकिन

उन्होंने पूंजीवादी अर्थव्यवस्था को अपनाना चाहा था।

* सोवियत संघ का विघटन :→ 1991 में सोवियत संघ का विघटन हो गया तथा सोवियत संघ के सभी गणराज्य स्वतंत्र हो गए और सोवियत संघ का नेतृत्व अब रूस को दे दिया।

* भारत के लिए विघटन के परिणाम

भारत के सोवियत संघ के विघटन के परिणाम निम्न हुए थे —

① → विश्वमित्र खो दिया :→ भारत व सोवियत संघ दोनो काफी अच्छे मित्र थे 1971 में दोनो ने 20 वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए थे सोवियत संघ ने भारत में भिलाई, बोकारो व विशाखापट्टनम इस्पात कारखाना स्थापित करने में मदद की थी।

② → गुटनिरपेक्षता की प्रांसगिकता पर चिन्ह लगा :→ सोवियत संघ का विघटन होने के बाद गुटनिरपेक्षता की नीति पर प्रश्न चिन्ह लग गया।

③ → शीतयुद्ध समाप्त :→ शीतयुद्ध की समाप्ति के कारण विश्व में शान्ति स्थापित हो पाई जो भारत व अन्य देशों के लिए भी अच्छा था।

P.T.O.

(1) → सार्क :→ दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन या दक्षेस के नाम से भी जाना जाता है।

(2) → स्थापना व सदस्य :→ सार्क की स्थापना 8 दिसंबर 1985 को हुई थी वर्तमान मे इसमे 8 सदस्य देश है भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांनमार व अफगानिस्तान।

(3) → सार्क के उद्देश्य :→ सार्क के उद्देश्य निम्नलिखित है।

(i) → दक्षिण एशिया के क्षेत्रो का आर्थिक विकास सामाजिक व सांस्कृतिक विकास करना।

(ii) → सार्क के सदस्यो देशोकी जनता के उच्च जीवन स्तर का प्रयास।

(iii) → सदस्य देशो की जनता का उचित विकासकरना

(iv) → सदस्य देशो की जनता के बीच आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना।

(v) → देशो के बीच पारस्परिक विश्वास की भावना का विकास करना।

(4) → सार्क के सिद्दान्त :→ सार्क के सिद्दान्त निम्नलिखित है —

(i) → सदस्य देश एक दूसरे के आन्तरिक मामले मे अहस्तक्षेप

(ii) → सदस्य देशो का सहयोग एकपक्षीय हो बहुपक्षीय न हो।

(5) → आर्थिक सहयोग की राह तैयार करने में

सार्क की भूमिका :→ दक्षिण एशिया के आर्थिक विकास में सार्क ने बहुत भूमिका निभाई है।

(i) → दक्षिण एशिया की जनता का जीवन का उच्च स्तर बढ़ गया।

(ii) → दक्षिण एशिया के देशों के बीच मुक्त व्यापार को बढ़ावा दिया गया।

(iii) → दक्षिण एशिया का आर्थिक विकास हुआ।

(iv) → दक्षिण एशिया की जनता के बीच पारस्परिक विश्वास को बढ़ाया।

(6) → सार्क की सीमाएँ :→ सार्क एक पूर्ण सफल संगठन के रूप में नहीं बन पाया जिसके कारण हैं—

(i) → दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा देश भारत है। जिसके कारण छोटे देश उसे सन्देह की दृष्टि से देखते हैं।

(ii) → भारत पाकिस्तान के कटु सम्बन्ध।

(iii) → पूर्वी व पश्चिमी पाकिस्तान के कटु सम्बन्ध

(7) → साफ्टा :→ दक्षिण एशिया के क्षेत्रों में आर्थिक विकास के लिए साफ्टा पर 2004 में हस्ताक्षर किए गए थे जोकि 2006 से प्रयोग में लाया गया था इसके द्वारा दक्षिण एशिया में मुक्त व्यापार को बढ़ावा दिया गया तथा सीमा शुल्कों को बंद कर दिया गया।

P.T.O.

सुरक्षा की अवधारणा

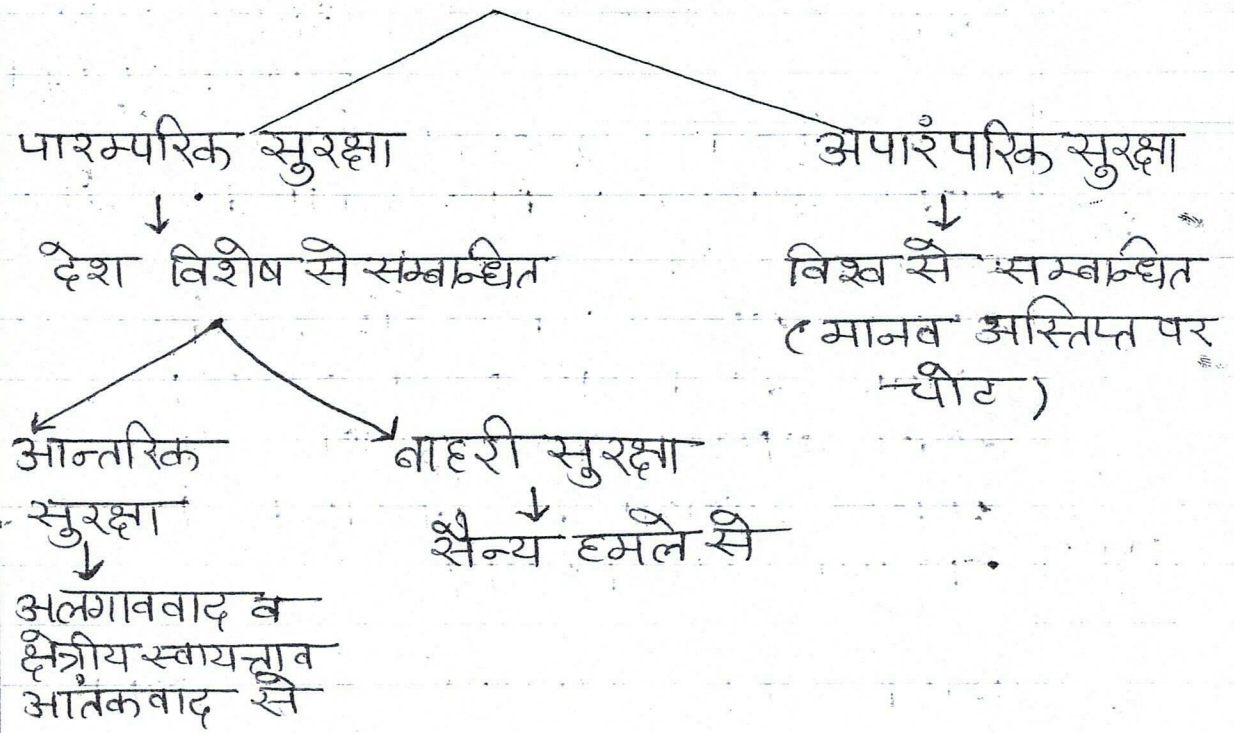

* सुरक्षा की अवधारणा :→ सुरक्षा की अवधारणा हम दो तरह से कर सकते है।
पारम्परिक सुरक्षा व अपारम्परिक सुरक्षा

(1)→ पारम्परिक सुरक्षा :→ जब किसी देश विशेष की सुरक्षा की जाती है तथा सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न होता है तो वह पारम्परिक सुरक्षा होता है पारम्परिक सुरक्षा के दो प्रकार से हो सकते है।

(i) आन्तरिक सुरक्षा :→ आन्तरिक सुरक्षा के अन्तर्गत आतंकवाद व अलगाववाद तथा क्षेत्रीय स्वायत्ता की

बातचीत व समझौते करती है तथा अपने देश की आन्तरिक सुरक्षा करती है)

(ii) बाहरी सुरक्षा :→ बाहरी सुरक्षा से आशय देश की सीमा की सुरक्षा करने से है कि अन्य देश हमारे देश पर हमला न कर दे, उससे अपने देश को बचाना बाहरी सुरक्षा है।

(2)→ अपारम्परिक सुरक्षा की जरूरत :→ 1990 के दशक में अपारम्परिक सुरक्षा पर बल दिया गया था और सभी देशों को लगा था कि इन समस्यों को साथ मिलकर रोका जा सकता है जैसे - वैश्विक तापवृद्धि, निर्धनता बेरोजगारी आदि।

(3)→ अपारम्परिक सुरक्षा हेतु उपाय :→

(i)→ अपारंपरिक सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर चिन्ता होने लगी जिसके लिए पूरे विश्व ने मिलकर प्रयास किया।

(ii)→ 1992 में ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरिया में पृथ्वी सम्मेलना हुआ था

(iii)→ क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर वैश्विक तापवृद्धि को कम करने के लिए किया गया था।

P.T.O.

(1) → गुटनिरपेक्षता का अर्थ :→ गुटनिरपेक्षता का अर्थ होता है किसी भी गुट का समर्थन न देना जब विश्व में शीतयुद्ध चल रहा था तो देश दो गुटों में बटाँ हुआ था परन्तु भारत ने किसी भी गुट का साथ न देते हुए गुटनिरपेक्षता को अपनाया।

(2) → जॉर्ज लिस्का के अनुसार :→ "किसी विवाद के सन्दर्भ में यह जानते हुए कि कौन सही है कौन गलत है किसी का पक्ष न लेने का विचार तटस्थता है। परन्तु सही गलत में भेद करके सही का पक्ष लेना गुट निरपेक्षता है।"

(3) → गुटनिरपेक्षता की नीव :→ गुटनिरपेक्षता नीति की नीव 1955 में बांडुंग सम्मेलन में रखी गई थी इसका पहला बैठक 1961 में सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में हुई थी।

(4) → गुटनिरपेक्षता की उपलब्धियाँ :→ इसकी उपलब्धियाँ निम्न लिखित है —

(i) → गुटनिरपेक्षता की नीति को मान्यता
(ii) → शीतयुद्ध के भय को दूर किया
(iii) → शीतयुद्ध को निष्क्रिय किया।
(iv) → विश्व में शान्ति की स्थापना की
(v) → संयुक्त राष्ट्र संघ की नीति का पालन।

P.T.O.

केन्द्र व्यवस्थापक मुहर	केन्द्र व्यवस्थापक के हस्ताक्षर	नोट--परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग में अपना नाम व केन्द्र का नाम न लिखें।
केoसo-1125		

नोट--केन्द्र के नाम की मुहर उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग पर न लगाएं।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाय--

अनुक्रमांक (अंकों में)-- .... अनुक्रमांक (शब्दों में) ....

विषय राजनीति विज्ञान .... प्रश्नपत्र संकेतांक-- 421(IML)

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय--

केन्द्र संख्या-- | 1 | 1 | 2 | 5 |

परीक्षा कक्ष संख्या-- | 0 | 4 |

(उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक कर ली गई है।)

कक्ष निरीक्षक का नाम ....

दिनांक-- 05.03.24

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक--

परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या 242035

पीoएसoयूo (आरoईo) 17 उoविoशिoपo / 36-14-06-2023-2,11,000 उत्तर पुस्तिकाएं (कम्प्यूटर ...

(5)→ गुटनिरपेक्षता की नीति के नेता?

भारत मे गुटनिरपेक्षता की नीति को मान्यता
(i)→ पंडित जवाहर लाल नेहरू ने दी थी।
(ii)→ मिस्त्र मे नासिर ने दी थी।
(iii)→ यूगोस्लाविया मे टीटो ने दी थी।

(6)→ गुटनिरपेक्षता नीति का वर्तमान सन्दर्भ:↓

भारत मे गुटनिरपेक्षता की नीति का आरम्भ शीतयुद्ध के समय दोनो गुटो से दूरी बनाए रखने के लिए प्रयोग किया गया था परन्तु सोवियत संघ के विघटन के बाद गुटनिरपेक्षता की नीति पर प्रश्न चिन्ह लगा था लेकिन फिर भी भारत ने गुटनिरपेक्षता को त्यागा नही है और वर्तमान समय मे बहुत सारे देश गुटनिरपेक्षता का समर्थन कर रहे है।

प्रश्न (26) का उत्तर

पूर्वोन्तर – – – – – – – – – मोड लिया।

(क) उत्तर

पूर्वोन्तर की राजनीति का स्वभाव ज्यादा संवेदनशील रहने का कारण निम्न है।
(i)→ इलाके की जटिल सामाजिक संरचना
(ii)→ देश के अन्य हिस्सो के मुकाबले कम विकास
(iii)→ आर्थिक रूप से पिछड़ा पन।
इन सभी स्थितियो के कारण यहाँ की राजनीति

P. T. O.

(i) अलगाववाद की मांग
(ii) बाहरी लोगों का विरोध
(iii)

(ख) उत्तर

असम मे बांग्लादेश निर्माण के समय 80 लाख शरणार्थी भारत आए थे जिनको वापस भेजने के लिए यहाँ स्वायत्ता की माँग उठी।

(ग) उत्तर

पूर्वोत्तर के आसू AASU (All Assam Student union) ने 1979 में विदेशियों के विरोध मे आन्दोलन चलाया था।

(घ) उत्तर

लालडेंगा ने मिजोरम के लिए अलग देश बनाने की माँग की थी।

① → भारत की आजादी :→ 1947 को 15 अगस्त की रात को देश आजाद हुआ था।

② → कारण :→ राजेन्द्र प्रसाद भारत के विभाजन का कारण मि० जिन्ना व डूकबाल को नही मानते है बल्कि लॉर्ड मिण्टो को मानते है।

तीन चुनौतिया

① → लोकतंत्र स्थापित की चुनौती :→ जब देश आजाद हुआ था तो उस समय देश मे लोकतंत्र स्थापित करना बहुत बड़ी चुनौती थी इसके लिए चुनाव करवाना पड़ा था जिसके लिए चुनाव आयोग की स्थापना हुई थी।

② → एकता स्थापित करने की चुनौती :→ आजाद होने के बाद देश मे विभिन्न धर्म व सम्प्रदाय के लोग रहते थे उनके बीच एकता स्थापित करने लिए भारत सरकार ने संविधान मे मूल अधिकारो की व्यवस्था की है।

③ → विकास की चुनौती :→ देश के आजाद होने के बाद लोगो का विकास करने की चुनौती भी सरकार

P.T.O.

सभी लोगो का अच्छे से विकास हो पाये कोई भी इससे वंचित न रहे सके जिसके लिए सरकार ने पंचवर्षीय योजना लागू करनी शुरू की थी।

प्रश्न (15) का उत्तर

मूलवासि :→ किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोग मूलवासी कहे जाते है।

मूलवासियो का संघर्ष :→

मूलवासियो को उनके ही स्थल पर उनके अधिकारो से वंचित रखा जा रहा था जिसके विरुद्ध उन्होंने आन्दोलन किया व अपने अधिकार पाने के लिए कडा संघर्ष किया फिर जाकर उनको अधिकार मिला था।

दो करोड़ तैतालीस